KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 6

लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट

भाग - 4

Satyaveer Yadav

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

CPI एवं कुछ अन्य दलों के तर्क (आपातकाल के दौरान कांग्रेस को समर्थन देना जारी रखा था) :

- भारत की एकता के विरुद्ध अन्तर्राष्ट्रीय साजिश की जा रही है।
- ऐसी सूरत में विरोध पर एक हद तक प्रतिबंध लगाना उचित है।
- जेपी जन आंदोलन का समर्थन की अगुवाई कर रहे थे, वह मुख्यतया मध्यमवर्ग का आंदोलन था और ये मध्यमवर्ग कांग्रेस की परिवर्तनकामी नीतियों के विरोध में था।

आपातकाल के बाद ने महसूस किया कि उसका मूल्यांकन गलत था और आपातकाल का समर्थन करना एक गलती थी।

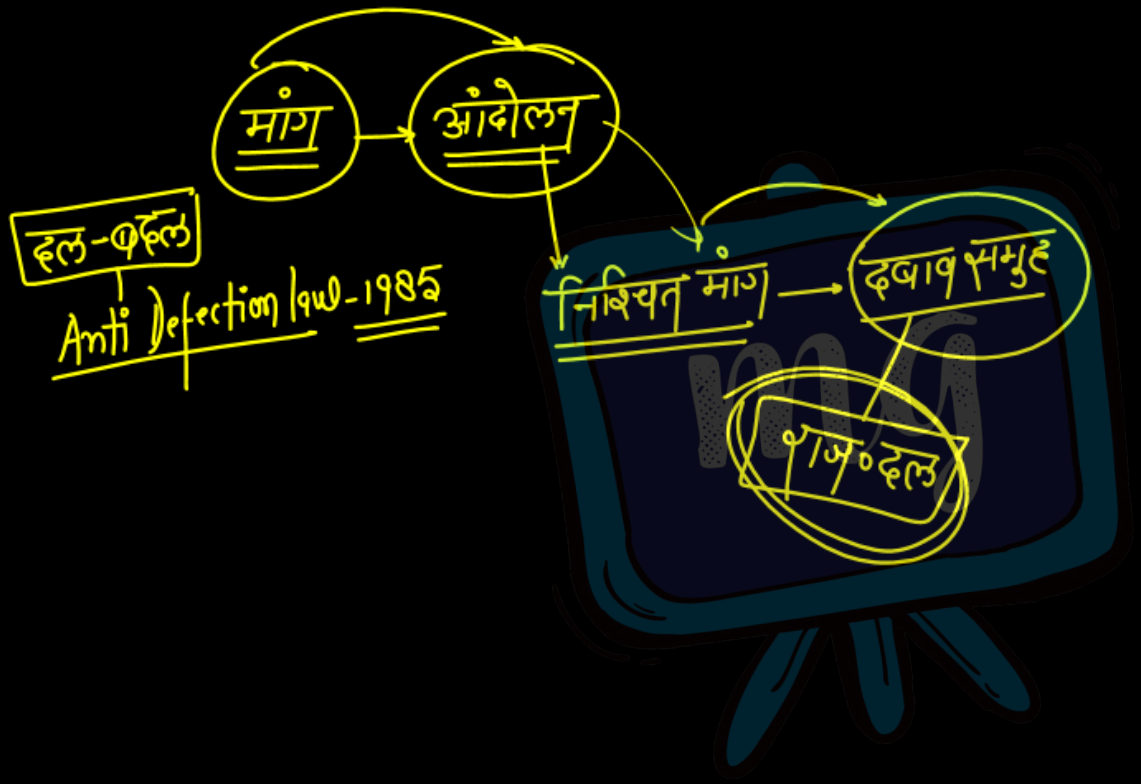
KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- देश के अंदरूनी मामलों की देख रेख का जिम्मा मंत्रालय का होता है, गृह मंत्रालय ने भी कानून व्यवस्था के बाबत कोई चिंता नहीं जतायी थी।
- छोटी मोटी गड़बडियों को सरकार अपनी रोजमर्रा की अमल में आने वाली शक्तियों से भी रोक सकती थी।
- 'आपातकाल' जैसे अतिचारी कदम की जरूरत नहीं थी।
- खतरा देश की एकता और अखण्डता को नहीं -
  - शासक दल और स्वयं प्रधानमंत्री को था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आपातकाल के दौरान क्या–क्या हुआ?

सरकार ने कहा

- कानून व्यवस्था को बहाल करना, कार्यकुशलता बढ़ाना, गरीबों के हित के कार्यक्रम लागू करना।
- 20 सूत्री कार्यक्रम की घोषणा
- भूमि सुधार, भू–पुनर्वितरण
  खेतिहार मजदूरों के पारिश्रामिक
  पर पुनर्विचार प्रबंधन में कामगारों की
  भागीदारी बंधुआ मजदूरों की समाप्ति आदि

गरीब जनता को उम्मीद

- सरकार जिन कल्याण कार्यक्रमों के वायदे कर रही हैं उन्हें कारगर तरीके से लागू करेगी।

शुरूआती दिनों में मध्यमवर्गीय खुश

- विरोध–आंदोलन समाप्त सरकारी कर्मचारियों पर अनुशासन

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

